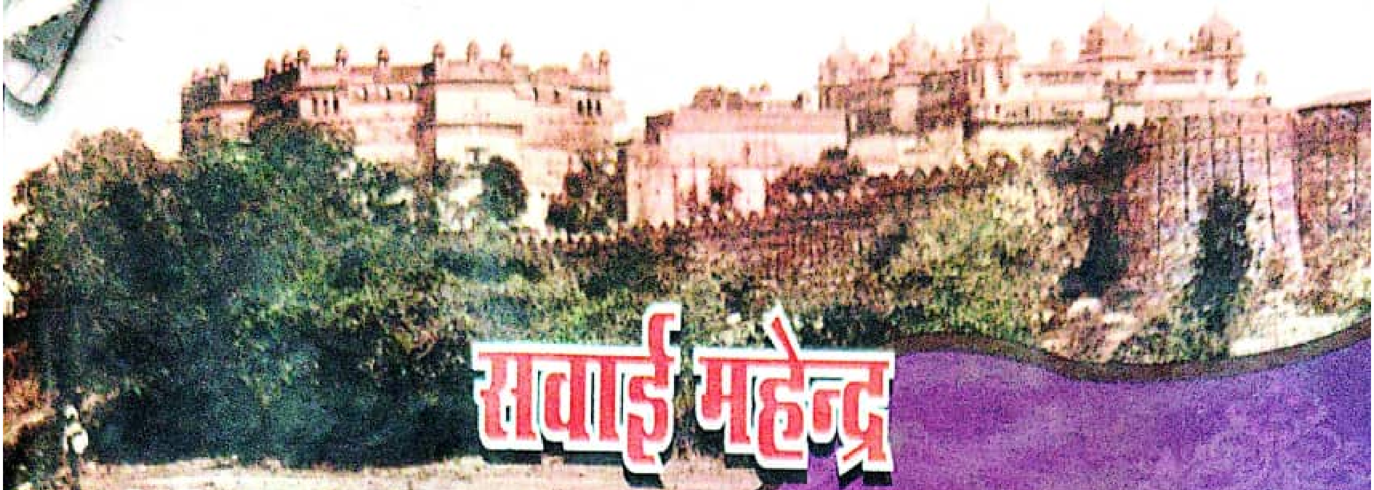

सवाई महेन्द्र
महाराज श्री मधुकर शाह जू 'देव' ओरछेश
अभिनन्दन ग्रन्थ

मधुकर

प्रकाशक : युवराज श्री रुद्र प्रताप सिंह जू 'देव'

प्रकाशन वर्ष : 2019

श्री हरिविष्णु अवस्थी
टीकमगढ़, द्वारा
प्रदत्त पुस्तकें / पत्रिकायें

स्वत्वाधिकार :

मुद्रण :

चित्रांकन : शकुन्तला कम्प्यूटर आर्टस, पृथ्वीपुर

एवं अपूर्व तिवारी, कुण्डेश्वर

सहयोग : श्री शैलेन्द्र कुमार खरे, छतरपुर
श्री संतोष पटैरिया, महोबा
श्री विनय त्रिपाठी (एडवोकेट), पृथ्वीपुर
श्री रामानन्द पाठक 'नन्द', नैगुवाँ
सुश्री रश्मीप्रभा खरे, छतरपुर
सुश्री इन्दूप्रभा खरे 'इन्दू', छतरपुर

* ग्रांथ से सम्बन्धित विवादों का न्यायायलयीन कार्य क्षेत्र टीकमगढ़ (म.प्र.) होगा

* ग्रन्थ में प्रकाशित समस्त सामग्री लेखकों की है। आवश्यक नहीं कि प्रकाशक इससे सहमत हो ।

वाई महेन्द्र
हाराज श्री मधुकर शाह जू 'देव' ओरछेश

अभिनन्दन ग्रन्थ

मधुकर

संपादक :
उमाशंकर खरे 'उमेश'

अनुक्रम

प्रथम खण्ड : भावाँजली

1	सरस्वती वन्दना	: महाकवि केशवदास	1
2	बुन्देलखण्ड – वन्दना	: मुंशी अजमेरी 'प्रेम'	2
3	महाराज श्री मधुकर शाह जू 'देव' (द्वितीय) ओरछेश आत्मीय अभिनन्दन	: उमा शंकर खरे 'उमेश'	4
4	सवाई महेन्द्र महाराजा ओरछेश श्री मधुकर शाह जू 'देव' की हीरक जयंती के अवसर पर हार्दिक अभिनंदन पत्र	: पं. हरिविष्णु अवस्थी	5
5	निराले निरभिमान नरेश	: कपिल देव तैलंग राजगुरू	6
6	बुंदेली विभूति–ओरछेश मधुकर शाह जू 'देव' (नातीराजा)	: डॉ0 राम नारायण शर्मा	11
7	आज दिन सोंने कौ महाराज	: गुण सागर सत्यार्थी	14
8	बुन्देली के पक्षधर महाराज मधुकर शाह जू 'देव'	: डॉ. दुर्गेश दीक्षित	18
9	बुंदेलखण्ड के कोहनूर : महाराज मधुकर शाह जू 'देव' (द्वितीय)	: प्रो0 डॉ0 कामिनी	24
10	वर्तमान महाराज श्रीमंत मधुकर शाह जू 'देव' द्वितीय की पचहत्तरवीं वर्षगांठ पर अमृत महोत्सव	: डॉ. लोकेन्द्र सिंह गुर्जर "नागर"	27
11	जिन मधुकर अम्बुज रस चाख्यौ क्यों करील फल खावें?	: कैलाश मड़वैया	32
12	राजर्षि सवाई महेन्द्र महाराज श्री मधुकरशाह जू 'देव' (द्वितीय) ओरछेश	: उमाशंकर खरे 'उमेश'	36
13	बुन्देली संस्कृति की प्रतिमूर्ति "महाराज मधुकर शाह औरछेश" (द्वितीय) नातीराजा	: विनोद मिश्र "सुरमणि"	40
14	जो स्वयं के लिये कुछ नहीं करता वह ऋषि है । मधुकर शाह जू 'देव' ऐसे ही ऋषि हैं	: डॉ. राज गोस्वामी	44
15	सवाई महेन्द्र महाराजा मधुकर शाह जू 'देव' (द्वितीय) ओरछा नरेश	: डॉ0 आशा तिवारी	46

द्वितीय खण्ड : ओरछा राज वंश के गौरव

16	ओरछेश की प्रगतिशीलता	: पं. बनारसीदास जी चतुर्वेदी	49
17	ओरछा नरेश वीरसिंह जू 'देव' (द्वितीय) की हिन्दी सेवा	: पं. हरिविष्णु अवस्थी	55
18	महाराजा वीरसिंह जू 'देव' (द्वितीय)	: प्रो. जगदीश खरे	58
19	उत्तरदायी शासन के अग्रदूत, शिक्षा–साहित्य और खेलप्रेमी : ओरछेश महाराज वीरसिंह जू 'देव' (द्वितीय)	: शिवस्वरूप पटैरिया	62

20	महाराजा श्री देवेन्द्रसिंह जू 'देव'	: आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल	65
21	सदाशयी महाराज देवेन्द्र सिंह जू 'देव'	: डॉ. गंगा प्रसाद बरसैया	70
22	ओरछा राज्य के गौरव महाराज देवेन्द्र सिंह जू 'देव'	: प्रभुदयाल मिश्र	75
23	महाराजा प्रताप सिंह जू 'देव'	: डॉ. देवी प्रसाद खरे 'प्रसाद'	78
24	बुन्देली आन–बान एवं शान की प्रतिमूर्ति ओरछेश मधुकरशाह जू देव 'टिकैत'	: पं. हरिविष्णु अवस्थी	82
25	भक्त शिरोमणि महारानी गणेश कुँवरि	: डॉ. एम.एल. प्रभाकर	87
26	ओरछेश रामशाह जू 'देव' की भक्ति परीक्षा	: राजीव नामदेव 'राना लिधौरी'	91
27	गौरवशाली शासक – वीरसिंह जू 'देव' (प्रथम)	: पं. दीनदयाल तिवारी	93
28	न्यायप्रिय एवं महान यौद्धा, महाराज वीरसिंह जू 'देव' बुन्देला (प्रथम)	: डॉ0 मंगल सिंह परमार	96
29	ओरछा नरेश वीरसिंह जू 'देव'–	: डॉ. एम.एस. श्रीवास्तव	98
30	महाराज वीर सिंह जू 'देव' (प्रथम) (का शासनकाल बुन्देलखण्ड का स्वर्ण युग)	: रामानन्द पाठक 'नन्द'	10
31	लोक देवता हरदौल	: वीरेन्द्र बहादुर खरे	10
32	वीर बुन्देला दिमान हरदौल	: डॉ0 जगमोहन खरे	11

तृतीय खण्ड : इतिहास

33	बुन्देलों का ओरछा राज्य	: एन.डी. सोनी	11
34	बड़ौनी वीरसिंह जू 'देव' की	: डॉ0 लखनलाल खरे	12
35	दतिया–ग्वालियर–झाँसी रियासतों के सीमा संघर्ष	: डॉ0 श्याम बिहारी श्रीवास्तव	13
36	बुन्देला राजवंश का खंडित काल–खण्ड (संवत् 1660 वि. संवत 1714 वि.)	: डॉ0 रामनारायण शर्मा	13
37	टीकमगढ़ जिले के दुर्ग	: डॉ0 काशी प्रसाद त्रिपाठी	14
38	प्रबलारिवृंद हरणी, दुर्गेव दुर्गावती	: डॉ0 राहुल मिश्र प्राध्यापक हिन्दी	14
39	छत्रसाल के वंशज शाहगढ़ नरेश बखतवली शाह प्रथम स्वाधीनता संग्राम के महानायक	: पं. हरिगोविन्द तिवारी 'कवि हृदय'	15
40	बुन्देलखण्ड का इतिहास : बुन्देलखण्ड में सती स्मारक	: डॉ0 रामस्वरूप ढेंगुला	16
41	चरखारी – स्टेट	: राधाचरण गौतम 'रूद्र'	16
42	स्वतंत्रता आंदोलन में बुन्देलखण्ड पर महात्मा गाँधी का प्रभाव	: डॉ0 बहादुर सिंह परमार	170
43	कनक भवन की श्यामा	: डॉ0 जवाहर लाल द्विवेदी, प्राचार्य	175
44	बुंदेलखण्ड का जलियाँ वाला बाग – चरण पादुका गोली काण्ड	: सुरेन्द्र शर्मा 'शिरीष'	178

45	मुझसे मिलिए	: पं. ओम प्रकाश, बालकृष्ण तिवारी	181
46	ओरछा नरेशों की पदवी और उसकी व्याख्या	: पं. बाबूलाल द्विवेदी	190
47	महक से आपूरित थे वे राजदरबार	: अपूर्व तिवारी	195

चतुर्थ : साहित्य इतिहास

48	ओरछा राज्य के दरबारी कवि	: कपिल देव तैलंग राजगुरु	199
49	हरिराम व्यास जी : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में –	: डॉ0 जयेश खण्डेलवाल	202
50	इतिहास के दबावों का प्रभाव और 'जहाँगीर–जस–चन्द्रिका'	: डॉ0 कामिनी	222
51	हिन्दी साहित्य का रीतिकाल और बुन्देलखण्ड गौरव 'आचार्य केशवदास'	: उमेश कुमार गुप्ता	225
52	ओरछा के राजगुरु पं. हरिराम व्यास और उनका भावराज्य	: डॉ0 राकेश नारायण द्विवेदी	235
53	महारानी वृषभान कुंवर और वृषभान विनोद	: डॉ0 वीरेन्द्र निर्झर	239
54	ओरछा के राजकवि : महाराजा इन्द्रजीत सिंह और महाकवि केशवदास की युगल जोड़ी	: रामगोपाल रायकवार	245
55	ओरछा का अमरदीप (ऐतिहासिक बुन्देली रूपक) बुन्देली में	: स्वामी प्रसाद श्रीवास्तव	250
56	बुन्देलखण्ड की मीरा (महारानी वृषभान कुँवरि)	: पं. ओम प्रकाश तिवारी	259
57	बुन्देलखण्ड के ओरछा राज्य के कवि पं. कन्हरदास कौ बुन्देली में योगदान	: ओम प्रकाश तिवारी 'कक्का'	266
58	ओरछा राज्य की साहित्यक यात्रा	: विनय त्रिपाठी	271
59	बुंदेलखण्ड के राज परिवारों की कवयित्रियाँ	: डॉ0 इन्द्रपाल सिंह परिहार 'अभय'	274
60	राय प्रवीण	: पंचम सिंह जू 'देव' बुन्देला (लल्लू राजा)	277
61	ऐतिहासिक कहानी ''भाल का टीका''	: रामगोपाल रायकवार	282
62	ओरछा राज्य के राजकवियों की समृद्ध श्रंखला के अन्तिम 'राज रत्न' राजकवि मुंशी अजमेरी 'प्रेम'	: उमाशंकर खरे 'उमेश'	286
63	देव' पुरस्कार इतिहास के आईने में	: वीरेन्द्र त्रिपाठी	294

पंचम् खण्ड : संस्कृति इतिहास

64	ओरछा रियासत की बहुमूल्य धरोहर पद्म श्री असगरीबाई बनाम ''गजा साई''	: गुण सागर सत्यार्थी	297
65	बुन्देलखण्ड का शक्ति पीठ – रतनगढ़ की माता ''धार्मिक एवं पर्यटक महत्व''	: नरेश कुमार पाठक	301
66	बुन्देलखण्ड के स्थान – नाम बोलते हैं	: डॉ0 कामिनी	304
67	बुन्देलखण्ड की मूर्तिकला के कुछ प्राचीन उदाहरण	: पं. हरगोविन्द तिवारी 'कविहृदय'	307
68	बुन्देलों की उत्पत्ति व लोकरीति	: रामप्रकाश गुप्ता (पूर्व प्रवक्ता),	312

69	तब और अब का बुन्देलखण्ड संक्षिप्त अध्ययन	: मदन सिंह जादौन	31
70	बुन्देला बंश की कीर्ति	: डॉ. कुमकुम राजा परमार	32

षष्टम् खण्ड : लोक–संस्कृति–साहित्य

71	बुन्देली फागों में भाव–भक्ति की भूमिकाएँ	: डॉ हरिसिंह घोष	32
72	राष्ट्रीयकवि – घासीराम व्यास	: डॉ. बन्दना जैन 'प्राध्यापक'	33
73	राष्ट्रभाषा हिन्दी के विकास तथा समृद्धि में बुन्देली का योगदान	: डॉ. हरिःओम तत्सत् ब्रह्म शुक्ल	33
74	बुन्देली जनपद के अज्ञात कवि लाला ठाकुर दास कायस्थ (द्वितीय)	: उमाशंकर खरे 'उमेश'	33
75	ईसुरी एक परिचय	: डॉ० डी.आर. वर्मा 'बेचैन'	34
76	हिन्दी साहित्य में बुन्देलखण्ड की महिलाओं का योगदान	: सुधा रावत 'क्षमा'	34
77	लावनी (ख्याल) पर एक विहंगम दृष्टि	: डॉ० शिवाली चौहान	35
78	"पंडित राजाराम रावत, "पीड़ित" जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व"	: डॉ० आशा तिवारी	35
79	बुन्देली भाषा का लालित्य एवं माधुर्य	: डॉ० के. एल. 'बिन्दु'	36
80	बुन्देलखण्ड में खेती–किसानी के कुछ क्षेत्रीय पारम्परियक आचार–विचार	: डॉ०. श्याम बहादुर श्रीवास्तव 'श्याम'	37

सप्तम् खण्ड : पर्यावरण – वन, नदी, पर्वत

81	मध्यकालीन शहर – पर्यावरण की दृष्टि से एक अध्ययन	: डॉ० सफिया खान	37
82	पन्ना जिले में रामवन गमन पथ	: डॉ० सुरेश पराग	38
83	बन्दे वाणी विनायकौ बुन्देलखण्ड का ख्यातिनाम तीर्थ धाम एवं प्राकृतिक स्थल – चित्रकूट	: पं. रामप्रताप शुक्ल 'मानस किंकर'	39
84	बेत्रवती (बेतवा मइया)	: प्रभुदयाल श्रीवास्तव 'पीयूष'	39
85	ओरछा कौ तुंगारण्य	: उमाशंकर खरे "उमेश'	40
86	बुंदेली संस्कृति की प्रान – धसान (धशार्ण)	: रामगोपाल रैकवार	40

अष्टम् खण्ड : विविध

87	बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा का खुला पत्र	: डॉ० बाबूलाल तिवारी 'प्राचार्य'	40
88	अरबपति हैं ओरछा के रामराजा सरकार	: राजेन्द्र अध्वर्यु	41
89	'संस्मरण' और महाराज सब ठीक है ?	: श्याम बिहारी निगम 'निर्दोष'	41
90	भावांजलि	: डॉ० शिरोमणि सिंह 'पथ'	420
91	कैसी कैसी नीम	: सन्तोष कुमार पटैरिया	421
92	बुंन्देलखण्ड क्षेत्र के पारम्परिक वस्त्राभूषण	: डॉ० लाल जी सहाय श्रीवास्तव 'लाल'	423
93	ORCHHA RULERS	: Rajedra Pal Singh	425

नवम् खण्ड : काव्य कुन्ज

94	ओरछा	: डॉ0 अवध किशोर जड़िया	429
95	श्रीमंत मधुकर शाह (नातीराजा) के सम्मान में आपका अभिनन्दन श्रीमान	: डॉ0 इंद्रपाल सिंह परिहार 'अभय'	430
96	श्रीमंत मधुकर शाह जू 'देव' (अभिनन्दन)	: डॉ0 रामेश्वर प्रसाद गुप्त	431
97	महाराज श्री मधुकर शाह जू 'देव' (द्वितीय) के प्रति अभिनन्दन – सुमन	: रामस्वरूप ''स्वरूप''	433
98	महाराजा मर्दन सिंह	: पं.रामसेवक पाठक 'हरिकिंकर'	434
99	श्री मधुकर शाह दुलारे	: कल्याण दास साहू 'पोषक	436
100	'जय बुन्देल भूमि'	: पं. पन्नालाल उपाध्याय	438
101	ओरछा महिमा	: श्रीमती सुधा खरे 'शुचि'	440
102	ऐतिहासिक काव्यांजलि ओरछा : नामकरन, प्राकिरतिक सुगरई, राजधानी थापना।	: डॉ0 श्याम बहादुर श्रीवास्तव 'श्याम'	441
103	बुन्देली महिमा	: पं. जगप्रसाद तिवारी	446
104	धन्य–धन्य बुन्देलखण्ड	: धनीराम विश्वकर्मा	447
105	बनै प्रान्त बुन्देलखण्ड अब (बुन्देली बोली में)	: पं. रामसेवक पाठक 'हरिकिंकर'	448
106	पावन धरती बुन्देलखण्ड	: राम प्रकाश गुप्त	450